उत्तराखण्ड शासन औद्योगिक विकास अनुभाग–1 संख्याः2237 /VII-1/160–ख/2010 देहरादून : दिनांकः।7 सितम्बर, 2010

कार्यालय ज्ञाप

जनपद पिथौरागढ़ की तहसील गंगोलीहाट के ग्राम भरद्वारी, कुसमाण (पोखरी) मध्ये 7.433 हैक्टेयर भूमि में खनिज सोपस्टोन के प्रोस्पेक्टिंग कार्य हेतु प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस प्राप्त करने के लिए खनिज परिहार नियमावली, 1960 के प्राविधानों के अन्तर्गत आवेदक श्री प्रकाश कपिल पुत्र श्री सी०एम० कपिल, निवासी ग्राम दुमका नगर, पोस्ट हल्दूचौड़ (हल्द्वानी) जनपद नैनीताल ने दिनांक 23.01.2002 को जिलाधिकारी कार्यालय पिथौरागढ़ में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

आवेदक श्री प्रकाश कपिल द्वारा अपने पत्र दिनांक 22.07.2010 एवं उसके साथ संलग्न रू० 10 / – के स्टाम्प पेपर में लिखित रूप से अवगत कराया गया है कि उनके द्वारा ग्राम भरद्वारी, कुसमाण एवं पोखरी, तहसील गंगोलीहाट, जनपद पिथौरागढ़ मध्ये 7.433 हैक्टेयर में सोपस्टोन के प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस चाहने हेतु दिनांक 23.02.2002 को आवेदन किया गया था, उनकी नौकरी लग गयी है। नौकरी लगने के कारण उनके पास समय नहीं था, इसलिए प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस चाहने हेतु इच्छुक नहीं हैं।

जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ ने अपने पत्र संख्या 1407 / तीस—12 (2001—02) दिनांक 20 अगस्त, 2010 द्वारा आवेदक श्री प्रकाश कपिल के प्रार्थना पत्र दिनांक 22.07.2010 के आधार पर उनके द्वारा ग्राम भरद्वारी, कुसमाण एवं पोखरी, तहसील गंगोलीहाट, जनपद पिथौरागढ़ मध्ये 7.433 हैक्टेयर में सोपस्टोन का प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस चाहने हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र दिनांक 23.01.2002 को निरस्त किये जाने की संस्तुति की गयी है।

आवेदक श्री प्रकाश कपिल को खनिज परिहार नियमावली, 1960 के नियम—12(1) के अन्तर्गत शासन के पत्र संख्याः 2154/VII-1/160—ख/2010, दिनांक 06 सितम्बर, 2010 द्वारा दिनांक 13 सितम्बर, 2010 को अपराह्न 5:15 बजे सुनवाई में शासन के समक्ष अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। उक्त सुनवाई में जिलाधिकारी, पिथौरागढ़/उनके प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए, आवेदक श्री प्रकाश कपिल भी उपस्थित नहीं हुए। शासन के उक्त पत्र दिनांक 06 सितम्बर, 2010 के सम्बन्ध में आवेदक श्री प्रकाश कपिल का प्रार्थना पत्र दिनांक 13.09.2010 शासन को प्राप्त हुआ है, जिसमें श्री कपिल द्वारा उनके प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस आवेदन पत्र को निरस्त करने का अनुरोध किया गया है।

अतः आवेदक के प्रार्थना पत्र दिनांक 22.07.2010, दिनांक 13.09.2010 में उल्लिखित अनुरोध तथा जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ की संस्तुति को दृष्टिगत रखते हुए उनके प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र दिनांक 23.01.2002 को एतद्द्वारा अस्वीकृत/निरस्त किया जाता है।

> (एसँ० राजू) प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्याः 2237 (1)/VII-1/160-ख/2010, तद्दिनांकित। प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ को उनके पत्र संख्या 1407/तीस–12 (2001–02) दिनांक 20 अगस्त, 2010 के क्रम में।

 ज्येष्ठ खान अधिकारी, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, ग्राम भोपालपानी, पोस्ट बड़ासी (कर्ड़् खाले) देहरादून।

√ 3. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना एवं विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।

4. श्री प्रकाश कपिल पुत्र श्री सी०एम० कपिल, निवासी ग्राम दुमको नगर, पोस्ट हल्दूचौड़ (हल्द्वानी) जनपद नैनीताल।

> आज्ञा से, ८-१२ (एस०राजू) प्रमुख सचिव।

ाहन हुतू इन्हुक नहा है। जिलाविकारी, पिक्षोरामद में अपने पत्र संख्या 1403 / तीस-12 (2001-02) ति अनस्य 2010 द्वारा आपेश्क भी प्रकाश कपिल के प्रार्थना पत्र दिनाक 22.07.2010 थी अ उनसे द्वारा ग्राम भरदारी, कुसमाण एवं पोखरी, तहसील गर्गानीहरूट जनपद पिद्यानाद मा इंक्ट्रेयर में सोपस्टीन का प्रोस्मेलिट्रा लाईसंस चाहने हेतू पत्नुत आवेदन पदा दिनांक 23.01. निरस्त किये जाने की संस्तुति की मधी हैं। आवेदक श्री प्रकाश कपिल को खनिज परिहार नियमावली, 1960 के नियम-

भरद्वारी, कुनमाना एवं पॉखरी, तहसील गंगोलीहाट, जनपद विधीनागढ नहीं १४३३ हंक्टेंगर में

दिनांक 13 सितान्बर, 2010 को आपराहुन 5:15 बजे सुनवाई में शासन के समझ आपना पक्ष एउने क अयसर दिया गया। चन्त सुनवाई में जिलाधिकारी, विशेषाद/ सनके प्रतिनिधि द्याभित नहीं हुर अयंदक भी प्रकाश कपित मी स्परियद नहीं हुए। सासन के सक्त पत्र दिनांक 06 सितान्बर, 2010 ह सम्बन्ध में आयेदक भी प्रकाश कपित का प्रकान पत्र दिनांक 13.09.2010 शासन को प्राप्त हुआ ह जिसमें भी कपित हारा उनके प्रोसीविद्या लाईसीत आवेदन एम को मिरस्त करने का अनुरोध किय

अता अस्तरक के प्रार्थना एवं दिलोंक 22.07.2010. दिनांक 13.06.2010 में उत्तिमंत्रित विकासिकारी, विद्यासक की संस्तुति को दृष्टियत रकते हुए उनके प्रोरपेरिटंग लाइसंस

तु प्रस्तुत आवेदन पत्र विनांक 23.01.2002 को एसवृद्वारा अस्वीकृत / निरस्त किया जाता है।

11-33